

1801

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཡུལ་ལྷན་པོའི་མཉམ་སྐྱེད་པོ།

माता ५१ वरिषा २३



॥ अथ केशवस्य चरितम् ॥

[illegible]

८। अथ पदेऽप्युक्तं संज्ञायाः कथं ॥

ཀུན་པར་ཐུགས་རྒྱུ་ཡིན་པ་ལས་ཐུགས་རྒྱུ་ལས་
དེ་ཤིང་། རིག་པ་ལྟོས་པ་ལས་ཐུགས་རྒྱུ་ལས་
དེ་ཤིང་ཐུགས་རྒྱུ་ལས་ཐུགས་རྒྱུ་ལས་ཐུགས་རྒྱུ་ལས་
ཐུགས་རྒྱུ་ལས་ཐུགས་རྒྱུ་ལས་ཐུགས་རྒྱུ་ལས་



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

25. 26. 27. 28.



འཕུར་མཆོག་ཕུ་ལྷོ་མཐའ་ལོ།

[illegible][illegible]

[illegible]

五言古詩

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवत्गीतायां अर्जुनस्य वचनम् ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसि शङ्खध्वजमुत्तराद्यैः
 कण्वैरुत्तरपञ्चजन्यादौ ध्वजैश्चैव ततः ॥
 आचार्यस्तदा बोधयितुमाश्रितः ॥
 अर्जुन उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो ह
 यो व्यूढो हि मे पुरीषः ॥ १ ॥ तस्यैव सारथी बभूवुः
 संजय उवाच ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥
 भीमार्जुनसङ्घोऽबलवान्तरुणात्मकः ॥
 ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12/25/19

151

॥

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव कीलका समूहाः ॥ समासे मम सैन्यं बलवान्भद्रतमनः ॥ वीर्यवान् संशितबालांस्तस्मांस्तु मे पश्य ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पुस्तक

五

2

[illegible]

श्रीमद्भगवद्गीता उपनिषद्सूक्तम् ॥ अथ भगवत्पुत्रोवाच ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
महर्षिर्वाच ॥ २ ॥ कृष्णार्जुनसंवादे ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥ अहं भगवन्मया उवाच ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥

Handwritten text in a script, likely Tibetan, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of liturgical or philosophical text. The characters are dark and somewhat stylized, typical of traditional East Asian or South Asian scripts. The overall appearance is that of an ancient manuscript page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कथं वदामि ते भगवन् ॥ अहम्भक्त्या यत्किञ्चिज्ज्ञातम्
 त्वत्परात्मनो भगवन्मायां सदा दधेम ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 कथं वदामि ते भगवन् ॥ अहम्भक्त्या यत्किञ्चिज्ज्ञातम्
 त्वत्परात्मनो भगवन्मायां सदा दधेम ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

25



卷二

登

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५३

57

公

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

